MAHD-09

December - Examination 2017

MA (Final) Hindi Examination

लोक साहित्य

Paper - MAHD-09

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) श्रमगीत से आप क्या समझते हैं?

(ii) लोक संस्कृति और अभिजात्य संस्कृति में अन्तर संक्षेप में लिखिए।

(iii) 'दिवा जले सारी रात' कृति के रचनाकार कौन हैं?

(iv) नीति–प्रधान लोक कथाएँ किस कहते हैं?

(v) किशनगढ़ी ख्याल की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(vi) लोकगाथा किसे कहते हैं?

(vii) तेरह–ताली नृत्य किस प्रान्त (राज्य) से सम्बन्धित है?

(viii) ''जब एक कलम घसके। तब बावन गाँव खसके।'' भोजपुरी लोक सुभाषित के संदर्भ में इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द–सीमा लगभग 200 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2) कथानक रूढ़ियाँ कथा के विकास में किस प्रकार सहायक होती हैं? समझाइए।

3) राजस्थानी लोकनाट्यों में संगीत और नृत्य की विशिष्टता पर प्रकाश डालिए।

4) लोकगाथा की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

5) लोकसाहित्य के संकलन और संरक्षण के विभिन्न तौर–तरीकों का वर्णन कीजिए।

6) हरियाणा के लोक–नृत्य के विविध रूपों पर प्रकाश डालिए।

7) 'लांगुरिया लोक गीत' का वर्णन कीजिए।

8) ''भोजपुरी की समस्त लोक संस्कृति, लोक के सुख–दुख, भाग्य, चमत्कार और कर्मफल का प्रकटीकरण लोक कथाओं में हुआ है।'' इस कथन का आशय – स्पष्ट कीजिए।

9) लोक कथाओं में छोगे एवं डुंकारे की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्न प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) लोकगीतों का वर्गीकरण करते हुए राजस्थान के लोक–गीतों का विवेचन कीजिए।

11) मालवी लोककथा साहित्य पर एक लेख लिखिए।

12) राजस्थान और ब्रज की लोक गाथाओं का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

13) ''नाटक जीवन का प्रतिबिम्ब है'' इस कथन को स्पष्ट करते हुए खड़ी बोली के लोक नाटकों की प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए।

———